

2206740

कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज

क्रम संख्या



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी ह

Candidate
(In Fi
(In W
The
परीक्षा
शब्दों
ह

नोट :- परीक्षा

भाग में नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी अंग्रेजी विषय Business Studiesपरीक्षा का दिन Mondayदिनांक 11-04-2022

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

- परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

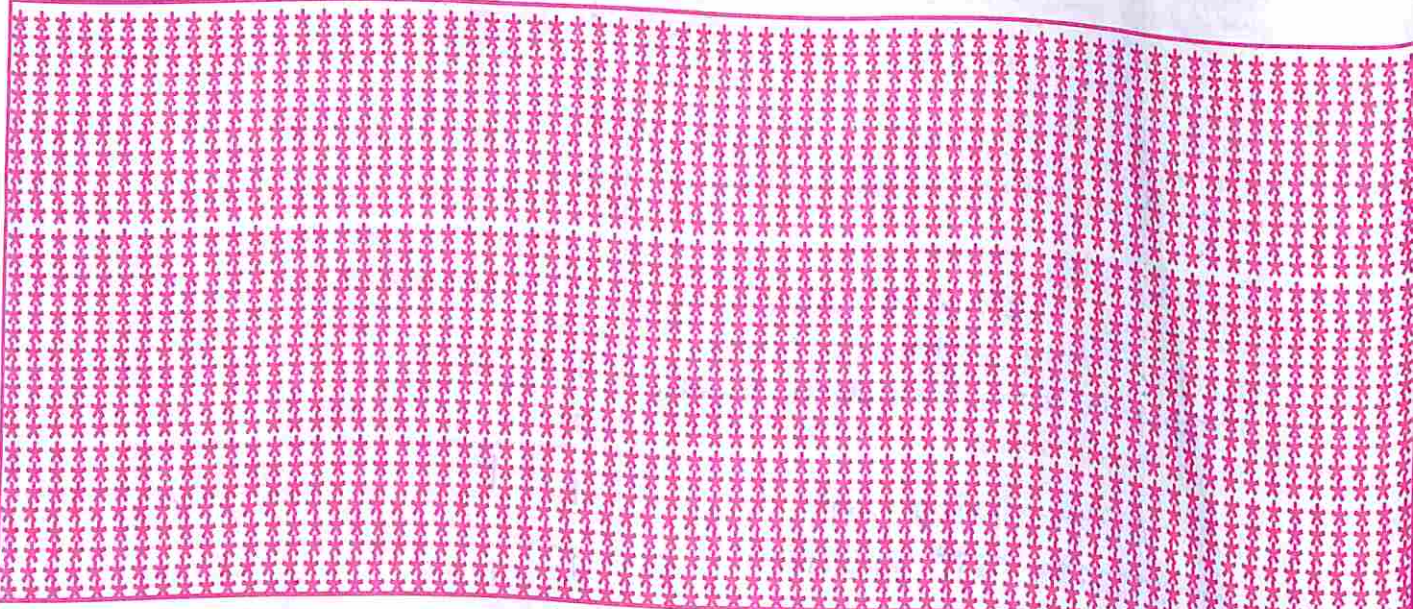
परीक्षक के हस्ताक्षर

संकेतांक

36132

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	22
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	79½
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अंकित
18	3		



परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, साधनों के प्रयोग के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें। गणित विषय के लिए रफ कार्य जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
6. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।
7. त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड-अ

- 1.
- (i) (ब) प्रमापीकरण ✓
 - (ii) (स) दी ✓
 - (iii) (द) प्रत्येक ✓
 - (iv) (ब) एक वर्ष ✓
 - (v) (द) त्रि स्तरीय ✓
 - (vi) (स) कला व विज्ञान दोनों ✓
 - (vii) (ब) नीतियाँ ✓
 - (viii) (ब) खनन इंजीनियर ✓
 - (ix) (द) चार ✓
 - (x) (स) उत्पाद ✓
 - (xi) (अ) व्यवस्था ✓
 - (xii) (अ) प्रेषक ✓

- 2.
- (i) संप्रेषण ✓
 - (ii) राजा ✓
 - (iii) मार्गदर्शन ✓
 - (iv) अंश ✓
 - (v) प्राथमिक ✓
 - (vi) अभिप्रेरित ✓

- 3.
- (i) N.S.E. का पूरा नाम National Stock Exchange है। (राष्ट्रीय
भूमिक)
 - (ii) पेंनी स्टॉक वे है जिनका शीयर बाजार में कोई मूल्य
नहीं होता है परंतु जिनका उपयोग सर्टिफिकेट संबंधी
क्रियाकलापों में प्रतिभूतियों में द्रवता के लिए किया
जाता है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(iii) जब निर्णय लेने के अधिकार कई व्यक्तियों के बीच आपस में बाँट दिये जाते हैं, तो यह "विकेंद्रीकरण" कहलाता है। व्यवहार में दिन-प्रतिदिन के कार्यों का विकेंद्रीकरण कर दिया जाता है।

(iv) प्रक्रिया का अग्रिम प्रायः ऐसी योजना से है जो उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए की जाने वाली क्रियाओं का क्रम निर्धारित करती है। प्रक्रिया से अग्रिम प्रायः दैनिक कार्य गतिविधियों के संचालन से है।

(v) चलचित्र में सूचना को, ज्ञान को अधिक प्रभावी एवं स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। यह 'कार्य सम्मेलन' में शामिल होकर उसे अधिक रुचिपूर्ण बना देता है। इससे विशेष कौशल सीखे जाते हैं।

(vi) उच्च स्तरीय प्रबंध का मूल कार्य संस्था के उद्देश्यों का निर्धारण करना एवं नीतियाँ निर्धारित करना है।

(vii) "कैवटि सम्पद" जिसका अर्थ है कि उपभोक्ता को सावधान रहना चाहिए। यह "विक्रेता बाजार" के लिए प्रयुक्त होता है।

(viii) समय अध्ययन का अग्रिम प्रायः यह निश्चित करना है कि शुरूक कार्य को पूरा करने में कितना प्रस्तापित / अनुमानित समय लगना चाहिए। इसके लिए समय मापन विधियों का प्रयोग किया जाता है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ix)

विपणन एक सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें लोग समूह में कार्य करते हुए एक ऐसी उत्पाद का सृजन करते हैं जिनकी उनकी आवश्यकता है तथा ऐसी उत्पाद का क्रय-विक्रय करते हैं जिसका कोई मूल्य है यह कथन फिलिप कोटलर का है।

(x)

धीमा विनिर्माण में उत्पादन या विनिर्माण प्रक्रिया के उत्पादन आधिक्य की श्रात हानियाँ की कम किया जाता है। ये हानियाँ हैं:- इंतजार में माल, परिवहन, भण्डारण, संचित माल एवं रद्दी आदि। यदि रद्दी को बेच दिया जाए तो उत्पादन लागत में कमी आरगी।

BSEER-168/2021

(xi)

प्रतिपुष्टि का अधिप्राय संकेतों उस प्रक्रिया से है जिसमें प्राप्तकर्ता द्वारा संकेतों के माध्यम से यह बताया जाता है कि उसे संदेश प्राप्त ही गया है तथा उसने उसी अर्थ में समझ लिया है। प्रतिपुष्टि में प्राप्तकर्ता की क्रियाएँ आती हैं।

(xii)

टैलर ने ^{एक श्रमिक की} विभिन्न सुहाओं की पहचान करने के लिए स्टॉपवॉच, विभिन्न चिह्नों एवं विभिन्न रंगों का प्रयोग किया।

खण्ड - ब

40

परिचालन प्रबंध = किसी भी संगठन की अपना अस्तित्व बनाए रखने हेतु कोई मूल उत्पाद

12



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या

परिभाषा उत्तर

(2)

अथवा सेवा प्रदान करनी होती है इसके लिए एक ऐसी उत्पादन प्रक्रिया का प्रयोग करना चाहिए, उपभोग के लिए तैयार उत्पाद के लिए प्रयोग किए जाने वाले कच्चा माल व तकनीक के प्रवाह को व्यवस्थित करनी है। यह कार्य के प्रबंध एवं लीगों के प्रबंध दोनों से जुड़ी होती है।

5. धर्ती के बाह्य स्त्रियों के दो लाभ निम्न हैं :-

(i) योग्य कर्मचारी = जब संस्था धर्ती के बाह्य स्त्रियों का उपयोग करती है इससे बड़ी संख्या में आवेदन देने वाली योग्य कर्मचारी आसानी से मिल जाती है।

(2)

(ii) नई प्रतिभाएँ = वर्तमान कर्मचारी अपर्याप्त हो सकते हैं या फिर वे उन वांछित योग्यताओं को पूरा नहीं कर रहे हैं जिन्हें भरना है बाह्य स्त्रियों संस्था में नई प्रतिभाओं को प्रवेश के अवसर प्रदान करती है।

6. सरकार उपभोक्ता हितों की रक्षा में सबसे महत्वपूर्ण कानूनों का निर्माण कर उपभोक्ता हितों की रक्षा करती है जैसे उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए टील फ्री नं. 1800114000 का हीना तथा उपभोक्ताओं को अधिकार प्रदान करने तथा उन्हें अनुचित व्यवहारों से बचाने के लिए



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

2) लिए "उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019" का लागू होना। यह प्रबंधकों उपभोक्ताओं की शिकायतों की निवारण एवं विनियमन के लिए एक केंद्रीय प्राधिकरण प्रदान करता है। इसी "केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण" है। यह एक त्रिस्तरीय मशीनरी की स्थापना करता है।

3. प्रबंध = प्रबंध एक प्रक्रिया है जिसमें संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति करने के लिए मानवीय संसाधनों का कुशलता एवं प्रभावपूर्वता से उपयोग किया जाता है। प्रबंध एक क्रिया है जो हर उस संगठन में आवश्यक होती है जहाँ लोग समूह में करते हैं। ये सभी व्यक्ति अलग-अलग प्रकार के कार्य करते हैं लेकिन ये सभी कार्य समान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए किए जाते हैं। अतः प्रबंध के प्रयत्नों एवं समान उद्देश्य प्राप्त करने में दिशा प्रदान करता है।

2) हेरल्ड कून्ज एवं हीज लैट्टरिक के अनुसार, "प्रबंध एक ऐसा पर्यावरण तैयार करने एवं उसे बनाए रखने की प्रक्रिया है जिसमें लोग समूह में कार्य करते हैं। इस चुनिंदा लक्ष्यों की कुशलता से प्राप्ति करते हैं।"

8. पूंजी बाजार में मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन प्रतिभूतियों में व्यवहार किया जाता है जबकि मुद्रा बाजार में प्रतिभूतियों की परिपक्वता अवधि 1 वर्ष तक की होती है। कुछ प्रतिभूतियाँ एक दिन के लिए भी निर्गमित की जाती हैं।



प्रश्न संख्या

परीक्षार्थ उत्तर

9. राज्य आयोग = राज्य आयोग का पूरा नाम राज्य अपक्षिता विवाद निवारण आयोग है।
 यह पूरे राज्य के मामलों पर नियंत्रण रखती है। इनकी स्थापना राज्य सरकारों द्वारा प्रांतीय राज्य की राजधानी में किया जाता है। राज्य आयोग उन शिकायतों को सुना जाता है जहाँ विचाराधीन वस्तु या सेवा का मूल्य एक करोड़ से अधिक है लेकिन दस करोड़ से कम है। यदि कोई पक्ष राज्य आयोग के फैसले से असंतुष्ट है तो वह तीस दिन के भीतर राष्ट्रीय आयोग में अपील कर सकता है।

9

ISER-168/2021

10. मानसिक अर्थ क्रान्ति का अर्थ कर्मचारी तथा स्वामी वर्ग दोनों की मनः स्थिति में परिवर्तन करने से है। मानसिक क्रान्ति कर्मचारी एवं प्रबंधक दोनों के व्यवहार में परिवर्तन लाने की कहती है अर्थात् प्रतियोगिता के लाने पर सहयोग। प्रबंधक एवं कर्मिक दोनों अपनी सीध को बदलें तथा एक-दूसरे की अपना पूरक समझें। इसे "मानसिक क्रान्ति" कहते हैं। मानसिक क्रान्ति आने पर प्रबंधक एवं कर्मिकों के मतभेद स्वतः ही समाप्त हो जायेंगे। दोनों की सम्मूहना चाहिये कि दोनों का सहत्व है।

10

11. शकल प्रयोग योजना शक बार की परियोजना अथवा योजना पर निर्भर करती है। पूर्ण शकिय में पुनः दृष्टि रखा जाता है। इस योजना की अवधि नहीं



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

परियोजना के प्रकार पर निर्भर करेगी। यह एक विशेष परिस्थिति से संबंधित कर होती है। उस विशेष परिस्थिति की समस्या का समाधान प्राप्त किया जाता है तथा समाधान का अंत प्रयोग होती है व समस्या का अंत होती ही योजना भी समाप्त हो जाती है। यदि भविष्य में इनकी आवश्यकता पड़ती है तो उन्हें पुनः विकास किया जाता है। इसमें कार्यक्रम, बजट एवं परियोजनाएं सम्मिलित हैं। ये योजनाएं कभी-कभी एक दिन के लिए भी होती हैं जैसे- किसी संगीठनी के लिए कार्यक्रम तैयार करना।

1

ESER-168/2021

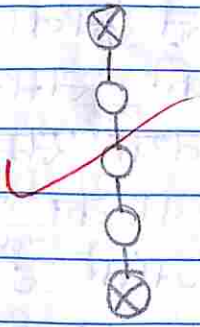
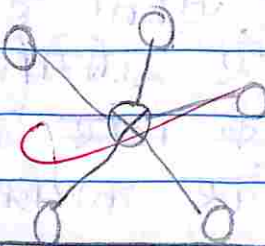
120. उपभोक्ताओं के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम निम्न रूप से महत्वपूर्ण है:-

ii) असंगठित उपभोक्ता - वर्तमान में उपभोक्ता असंगठित हैं और इसके कारण ही वे अपनी साथ दुष्ट दुश्चारा का विरोध नहीं कर पाते हैं। इसके लिए उन्हें उपभोक्ता संघ संगठनों के रूप में संगठित करने की आवश्यकता है तथा यह कार्य उपभोक्ता संरक्षण द्वारा ही संभव है।

2

iii) उपभोक्ताओं का व्यापक शोषण - उपभोक्ता के साथ विक्रेता या उत्पादक, कालाबाजारी, जमाखोरी, मिलावट, नकली वस्तु आदि दुश्चारा से उनका शोषण करते हैं। इनसे उपभोक्ता की रक्षा आवश्यक है। उपभोक्ता संरक्षण एक विस्तृत कार्यसूची प्रदान करती है जिसमें उपभोक्ताओं की रक्षा की जाती है।

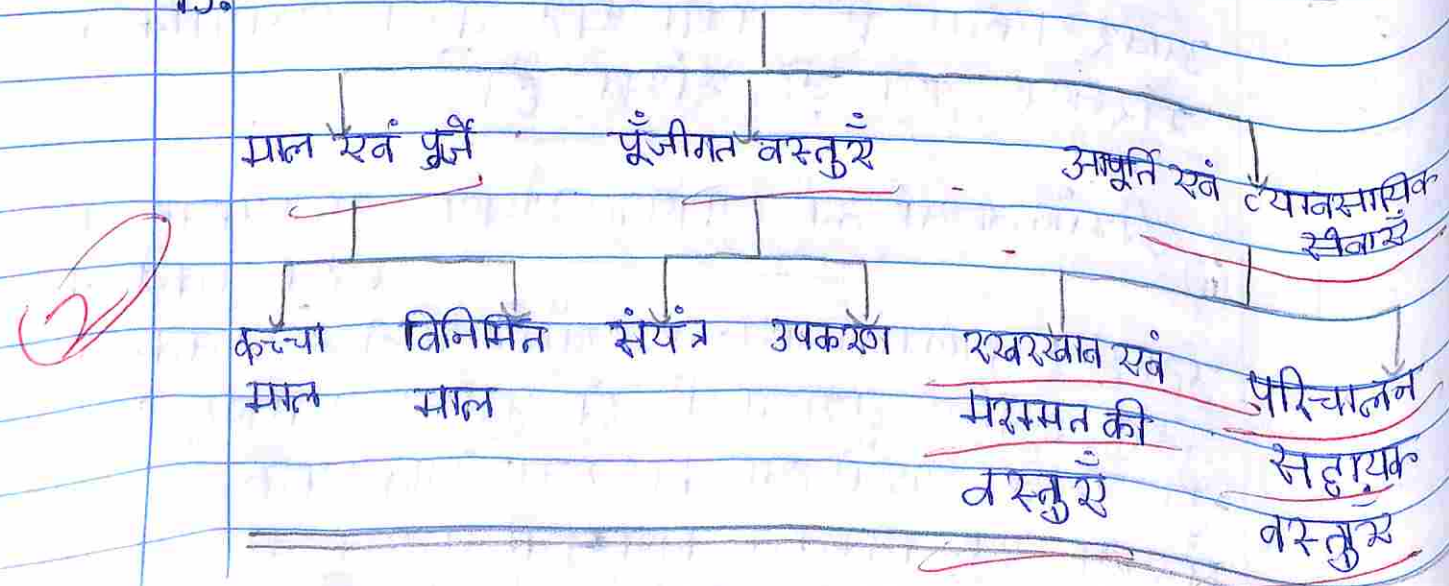


परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	13	
	(i)	 <p><u>दूकदरी शृंखला</u></p>
	(ii)	 <p><u>गामशप / अफवाइ</u></p>

14. उत्पादन अधिकारी के अधीन चार प्रकार के कर्मचारी कार्य करते हैं :-

(i) गति नायक
 (ii) टोली नायक
 (iii) सरम्मत नायक
 (iv) निरीक्षक

15. उनी धीमिक उत्पाद





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

16. भारत के बाह्य स्त्रीयों की सीमाएं निम्नलिखित हैं:-

(i) वर्तमान कर्मचारियों में असंतोष की भावना = बाह्य स्त्रीयों का प्रयोग करने से संस्था में कार्यरत कर्मचारियों में असंतोष एवं नाराज्य की भावना उत्पन्न होने लगती है। यह सहसास होता है कि उनकी पदोन्नति के अवसर कम ही रहे हैं।

(ii) सहंगी प्रक्रिया = बाह्य स्त्रीय से भारत एक अत्यंत सहंगी एवं लचीली प्रक्रिया है। बहुत भारी-शारी आवेदन पत्रों की छुटनी में व्यय कर दी जाती है।

खण्ड - स

13. सेबी के तीन उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

(i) सेबी का एक प्रमुख उद्देश्य शीयर बाजार की क्रियाओं को नियंत्रित करना है ताकि इसमें प्रत्येक पक्ष को अच्छी सेवाएं प्रदान की जा सकें।

(ii) सेबी का एक सर्वप्रमुख उद्देश्य निवेशकों की हितों की रक्षा करना है। यह कमठ तथा आमक विज्ञापन करने वाली कंपनियों को रोकती है जो निवेशकों की प्रतिभूतियों के क्रय के लिए प्रेरित करती हैं।

(iii) सेबी का एक अन्य उद्देश्य शीयर बाजार के

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

दलाली एवं मध्यस्थी की क्रियाओं पर नियंत्रण करना ~~जिससे~~ है जिससे कि एक निष्पक्ष व्यापार प्रदान किया जा सके। इस उद्देश्य के लिए ही सेवी की स्थापना की गई थी।

18. प्रशिक्षण व विकास से कर्मचारियों को हीने वाले तीन लाभ निम्न हैं :-

- (i) जीवनवृत्ति में सुधार के लिए सहायक है।
- (ii) कौशल में सुधार से अधिक लाभ कमाने में सहायक है।
- (iii) प्रशिक्षण व विकास से कर्मचारियों की कुशलपूर्वक संभालने में सहायता मिलती है जिससे दुर्घटना से बचाव होता है।

19. हाँ, समन्वय प्रबंधक के लिए आवश्यक है। समन्वय वह शक्ति है जो प्रबंध के अन्य सभी कार्यों की एक-दूसरे से बाँधती है। इसे प्रबंध का साह कहा जाता है क्योंकि समन्वय लोगों द्वारा किए प्रयत्नों में एकात्मकता लाता है। यह जैसे दिती की जो एक-दूसरे से भिन्न है, उद्देश्यपूर्ण कार्य गतिविधि में एकता लाता है। यह विभिन्न विभागों की जोड़ने लाता है का काम करता है। यह प्रबंध के शक्ति स्तर व प्रत्येक विभाग में आवश्यक है। समन्वय की वस्तु नहीं है जिसके लिए प्रबंधक आदेश नियुक्तिकरण आदि की करता हुए प्राप्त करने का प्रयास करता है। अतः प्रत्येक कार्य समन्वय का अंग है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

20.

परीक्षार्थी उत्तर

नियोजन की तीन सीमाएँ निम्न हैं :-

i) नियोजन दृढ़ता उत्पन्न करता है = योजनाएँ एक अवधि के लिए उच्च प्रबंध द्वारा तैयार की जाती हैं तथा शेष सभी केवल उसके अनुसरण करते हैं। प्रबंधक केवल छोटी परिवर्तन ही कर सकने की स्थिति में होते हैं और इस प्रकार परिवर्तन नहीं होने से कोई महत्वपूर्ण अवसर हाथ से निकल जाते हैं।

ii) नियोजन में भारी लागत आती है = नियोजन में भारी लागत आती है। यह धन के रूप में अथवा समय के रूप में हो सकती है। कभी-कभी योजनाएँ बनाने की ~~लागत~~ लागत यह सफाई भी नहीं दे पाती है कि योजनाएँ से लाभ होगा भी या नहीं।

iii) नियोजन समय नष्ट करने वाली प्रक्रिया है = नियोजन में योजना बनाने में काफी समय लगता है। कभी-कभी तो योजना बनाने में इतना समय लग जाता है कि इसके लिए क्रियान्वयन के लिए समय बचता ही नहीं है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

21. विपणन के चार कार्य =

(i) बाजार संबंधित सूचनाएँ एकत्र करना एवं उसका विश्लेषण करना =

यह विपणन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है। यह जानने के लिए की जाती है कि उपभोक्ता कौन है, क्या प्राप्त करना चाहता है, उपभोक्ता की मांग व मूल्य है, वितरण के किस माध्यम का उपयोग किया जाएगा, आदि। उपभोक्ता की आवश्यकताओं की जानकारी ऐसी उत्पादों का निर्माण किया जाता है जो उपभोक्ता की आवश्यकता की संतुष्टि करते हैं।

(ii) उत्पाद का रूपांकन एवं विकास = रूपांकन किसी अधिक आकर्षक बनाता है। यह वस्तु की और उपयोगिता प्रदान करता है। जैसे अधिक खरीदते समय उसकी विशेषताओं की मांग का डिजाइन की देखना। यदि किसी वस्तु का डिजाइन अच्छा है तो उसकी विक्री अधिक होगी। वहीं उसके दूसरे पहलू कमजोर होंगे।

(iii) ग्राहक समर्थन सेवाएँ = यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें विक्री के बाद की सेवाएँ शिकायत दूर करना, तकनीकी



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सेवाएँ, साख सेवाएँ, रखरखाव सेवाएँ आदि सम्मिलित हैं। इससे ग्राहक बार-बार ^{वस्तु} क्रय करने तथा यह उसी ब्रांड के प्रति स्वामित्व विकसित करने में मदद करती है।

(iv) भौतिक वितरण = दूसरी वस्तुओं की उत्पादक से उपभोक्ता तक पहुँचाने की क्रिया को सम्मिलित किया जाता है। इस संबंध में जी निर्णय लिए जाते हैं वे हैं:-

- (a) शौक व्यापारी की सेवाएँ ली जायगी या नहीं
(b) संगठित माल के स्टॉक, परिवहन एवं भण्डारण आदि के संबंध में निर्णय।

22. निर्देशन की विशेषताएँ -

(i) निर्देशन क्रिया को प्रारंभ करती है / यह प्रबंधकीय कार्यों को प्रारंभ में सहायता करता है =

नियोजन एवं संगठन तथा कर्मचारियों को नियुक्त करने के बाद एक प्रबंधक को अपनी अधीनस्थों को निर्देश देना होता है। उनका मार्गदर्शन करना होता है तथा उन्हें अभिप्रेरित करना होता है। यह क्रिया निर्देशन के अंतर्गत आती है। प्रबंधक इसका पालन संगठन, नियुक्तिकरण एवं नियंत्रण करते हुए संगठन में अपनी उत्तरदायित्वों का निर्वहण करते हुए करना होता है जहाँ अन्य कार्य क्रिया से पूर्व से संबंधित हैं वही निर्देशन क्रिया को प्रारंभ करता है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ii) निर्देशन की आवश्यकता प्रत्येक स्तर पर होती है =

निर्देशन की आवश्यकता उच्च से लेकर निम्न प्रबंध तक होती है। उच्च स्तरीय प्रबंधक मध्य स्तरीय प्रबंधकों की एवं मध्य स्तरीय प्रबंधक निम्न स्तरीय प्रबंधक की निर्देशन देते हैं। जहाँ अधिकारी-अधीनस्थ संबंध है, वहाँ निर्देशन की क्रिया स्वतः ही जाती है।

(iii) निर्देशन निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है = यह

निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है क्योंकि प्रबंधकों की अपनी अधीनस्थों का निरंतर पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहित करना चहुँपता है। सामर्थ्य निर्धारण, सांख्यिक क्रियाएँ इसके बिना निष्पादित नहीं हो सकती।

(iv) निर्देशन का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर होता है =

निर्देशन उच्च प्रबंध से शुरू होकर नीचे के प्रबंध तक चलता है। अतः प्रत्येक प्रबंधक अपनी निकटतम अधीनस्थों की निर्देशन देता है तथा अपनी अधीनस्थों से आदेश प्राप्त करता है। यह ऊपर से नीचे की ओर प्रवाहित होता है।

4



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

23.

परीक्षार्थी उत्तर

विज्ञापन व वैयक्तिक विक्रय में चार अंतर =

क्र. सं.	विज्ञापन	वैयक्तिक विक्रय
1.	विज्ञापन सूचनाओं का अत्यधिक संप्रेषण होता है।	इसमें क्रय एवं विक्रेता के मध्य प्रत्यक्ष संवाद होता है।
2.	विज्ञापन बहुत कम समय में बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करता है।	इससे सीमित संख्या में लोगों को आकर्षित किया जा सकता है।
3.	विज्ञापन समाचार पत्र, पत्रिकाएँ व टीवी के माध्यम से दिख जाते हैं।	इसमें विक्रेता की नियुक्ति की जाती है जो लोगों को उत्पाद के संबंध में बताता है।
4.	विज्ञापन में प्रत्यक्ष प्रत्युत्तर की कमी होती है। लोगों की रुचि को जानने के लिए फीडबैक व विश्लेषण की आवश्यकता होती है।	व्यक्तिगत विक्रय में प्रत्यक्ष प्रत्युत्तर होता है। विक्रेता ग्राहकों की समस्याओं का सीधे समाधान करके उन्हें उत्पाद की खरीदने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

4

कुल पाप
30
30

समाप्त



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



शिक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

ESER-168/2021



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

